आमजन की सुविधा के लिए यूनिफाइड पोर्टल सिस्टम होगा शुरू : मुख्यमंत्री

■ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यों की आमजन को मिले जानकारी ■ सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार किया जाए सॉफ्टवेयर और ऐप ■ कानून-व्यवस्था नियंत्रण के लिए बढ़ाएं ड्रोन का उपयोग

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में आमजन को सुविधाएं उपलब्ध कराने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ आमजन को आसानी से दिलाने के लिए यूनिफाइड पोर्टल सिस्टम तैयार किया जाए। जिसमें विभागों की सेवाएं एक साथ जोड़कर, आमजन को एक ही स्थान पर लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

यूनिफाइड पोर्टल को विभिन्न विभागों की 1700 सेवाओं को जोड़कर लांच किया जाए। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागों की जानकारी आमजन को आसानी से मिल सके, इसके लिए जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। जनता को विभिन्न कार्यक्रमों और अभियानों की जानकारी देने के उद्देश्य से होर्डिंग्स लगाए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को

समत्व भवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उज्जैन में सिंहस्थ-2028 में विभिन्न तकनीकी कार्यों एवं व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन में नवीन प्रौद्योगिकी की मदद ली जाए। इसे सुनिश्चित करने के लिए एमपीएसइडीसी सॉफ्टवेयर/ऐप तैयार करें और नगरीय विकास एवं आवास विभाग को भी निर्देशित किया जाए। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने नवीन ड्रोन नीति तैयार कर इसे लागू किया है। प्रदेश में कानून और व्यवस्था नियंत्रण के लिए ड्रोन का उपयोग बढ़ाने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाई जाए। इसके साथ ही शहरी यातायात प्रबंधन के लिए भी ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

21 जून को उज्जैन के डोंगला में होगी राष्ट्रीय कार्यशाला

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) को उज्जैन में खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन होगा। यह कार्यशाला डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वैधशाला में आयोजित की जाएगी। योग शिविर, शून्य छाया अवलोकन, साइंस शो, स्टेम वर्कशॉप, व्याख्यान एवं परिचर्चा जैसी गतिविधियां होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून और व्यवस्था नियंत्रण के लिए ड्रोन के उपयोग की व्यापक कार्य योजना तैयार की जाए। शहरी यातायात प्रबंधन के लिए भी ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। ड्रोन के माध्यम से निगरानी तंत्र को मजबूत करते हुए डेटा संग्रहण क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। सरकार ने नवीन ड्रोन नीति तैयार कर इसे लागू किया है। जानकारी दी गई कि वर्तमान व्यवस्था के अनुसार राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास, रेरा, लोक निर्माण, जल संसाधन सहित विभिन्न विभागों की परियोजनाओं में सर्वेक्षण एवं निगरानी कार्य के लिए ड्रोन की सहायता ली जा रही है। डॉ. यादव ने कहा कि साइबर अटैक की घटनाएं रोकने एवं उनके प्रभावी निष्पादन के लिए मध्यप्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी टीम का गठन किया जाए और सभी शासकीय विभागों में मुख्य सुरक्षा अधिकारी तैनात किए जाएं। उन्होंने कहा कि विभागों के सभी आईटी प्रोजेक्ट/ वेबसाइट/ऐप्स का सिक्योरिटी ऑडिट किया जाए, जिसमें सिस्टम के सुरक्षा मानक, डेटा प्रबंधन और प्रोजेक्ट्स की कार्यक्षमता का मूल्यांकन सुनिश्चित हो, जिससे समय रहते किसी भी संभावित जोखिम की पहचान एवं बचाव के उपाय किए जा सकें। मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि इस वर्ष अभी तक विशेषज्ञों की टीम ने 134 नेटवर्क अटैक को रोकने में सफलता प्राप्त की है। गत माह ऑपरेशन सिंदूर के समय संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त 72 आईपी की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करने की कार्रवाई की गई।

उपनिषद की तरंग जैसी है जन-परिषदः विद्या जोशी

युवाओं को संस्कारी बनाना समाज की जिम्मेदारी : एयर मार्शल श्रीवास्तव

भोपाल (काप्र)।

जन-परिषद के समारोह में एयर मार्शल प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि युवाओं को संस्कारी बनाना समाज की जिम्मेदारी है। नये युग के बच्चों को छोटे-छोटे संस्कार देकर उज्ज्वल भविष्य और नये भारत का निर्माण किया जा सकता है। सम्मान समारोह में सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया।

बी यूनिक इंटरनेशनल मिसेस दुबई, मोस्ट पापुलर फेस ऑफ आबूधाबी एवं एक्ट्रेस विद्या जोशी पटेल ने संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि उपनिषद सी है जन-परिषद संस्था। यह संस्था लोगों के द्वारा लोगों के लिये काम करती है। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. निर्भय श्रीवास्तव ने भी समारोह को संबोधित किया। वरिष्ठ साहित्यकार जीवन सिंह रजक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सामाजिक संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। संस्था के उपाध्यक्ष एसके मिश्रा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि सामाजिक सरोकार से जुड़ी यह संस्था समाज की बुराइयों को दूर करने का निरंतर प्रयास करती आ रही है। कार्यक्रम में जीपी श्रीवास्तव ने बताया कि जन-परिषद ने ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कार्य कर संस्था की शुरूआत की।

कार्यक्रम में व्यंग्य संग्रह व्यंग्य भए क्वारंटाइन और जन-परिषद की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन रामजी श्रीवास्तव और आभार अजय श्रीवास्तव ने किया। समारोह में विद्या जोशी पटेल को ब्यूटी ब्रिलिएंट ऑफ एशिया सम्मान, एडिशनल एसपी श्रीमती कमला रावत को लक्ष्मी रायकवार स्मृति सम्मान, श्रीमती भावना डेहरिया को प्रिन्सेस ऑफ हाइट सम्मान, डॉ. प्रवीण दाताराम को माँ प्रभा देवी सम्मान, डॉ. निर्भय श्रीवास्तव को राजकमल एक्सीलेन्सी सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार जीवन सिंह रजक को कवि प्रदीप चौबे सम्मान, एडवोकेट मनीष त्रिपाठी को जस्टिस पीके तारे सम्मान, शरद फाउण्डेशन को कुलभूषण दिल्लौरी सम्मान, रऊफ खान लाला को केके अग्निहोत्री सम्मान दिया गया। श्रीमती तृप्ति शिन्दे मिसेस यूनिवर्स को चार्मिंग पर्सनालिटी, रागिनी द्विवेदी लखनऊ मिस इंडिया को फोटोजेनिक पर्सनालिटी और दिव्या चौधरी भोपाल मिसेस इंडिया को लुमिनस आइस से नवाजा गया। अप्रिशिएसन के लिए जितेन्द्र पुरोहित, अंकलेश्वर दुबे और नवीन पालीवाल को सम्मानित किया गया। वेस्ट चैप्टर के लिये आष्टा, दमोह और मुलताई की जन-परिषद संस्था को सम्मान दिया गया। राजेश गुप्ता, विनोद श्रीवास्तव, नितिन श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव और दुर्गेश रायकवार को सराहनीय कार्य के लिये सम्मानित किया गया।

केन्द्र सरकार की गाइडलाइन का तय समय-सीमा में हो प्रभावी क्रियान्वयनः सारंग

भोपाल(काप्र)।

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निर्धारित सहकार से समृद्धि के विजन के अंतर्गत दी गई गाइड-लाइन्स का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

श्री सारंग ने आगामी 20 जून को भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित उच्च स्तरीय बैठक के लिए राज्य स्तर पर की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री सारंग शुक्रवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा कर रहे थे। श्री सारंग ने अधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प की सिद्धि के लिए पूरी तत्परता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की हर योजना को हर गाँव, हर पंचायत, हर किसान और हर सहकारी संस्था तक पूरी प्रतिबद्धता के साथ शत-प्रतिशत क्रियान्वयन तय समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ हो। श्री सारंग ने प्रदेश के पैक्स की वर्तमान स्थिति, पैक्स अंतर्गत की जा रही गतिविधियाँ, बी-पैक्स को एम-पैक्स के रूप में डेवलप करना, प्रदेश के सहकारी बैंकों की वर्तमान स्थिति एवं सुदृढ़ीकरण पर चर्चा, प्रदेश के पैक्स द्वारा माइक्रो एटीएम के संचालन एवं विस्तार, पैक्स सोसाइटी द्वारा खाद एवं बीज वितरण व्यवस्था की समीक्षा, पैक्स कंप्यूटरीकरण की जिलेवार समीक्षा, प्रत्येक पंचायत में पैक्स, प्राथमिक डेयरी एवं मत्स्य पालन सहकारी समितियों का गठन एवं संचालन, पैक्स के माध्यम से सीएससी सेवाएं, जन-औषधि केन्द्र का संचालन, भारतीय बीज सहकारी समिति, नई राष्ट्रीय सहकारी जैविक समिति, एफपीओ का गठन, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर अभी तक किए गए कार्य एवं भविष्य की कार्य-योजना सहित सीपीपीपी द्वारा किये गये कार्य की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

एम्स में राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ

भोपाल (काप्र)।

एम्स में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत कर्मचारियों को सेवाभाव और नागरिक-प्रथम सोच से प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों के दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाकर सार्वजनिक सेवा में उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता और सेवाभाव को सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में एम्स के संकाय सदस्यों, नर्सिंग स्टाफ एवं प्रशासनिक विभाग से जुड़े 55 से 60 प्रतिभागियों को 9 से 14 जून के मध्य दो बैचों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस चरण में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागी भविष्य में संस्थान के अन्य कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे यह भावना संस्थान में व्यापक रूप से प्रसारित हो सकेगी। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम जैसे प्रयास सार्वजनिक संस्थानों की कार्यप्रणाली को नया दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। उपनिदेशक (प्रशासन) कर्नल डॉ. अजीत कुमार ने भी सरकार द्वारा शुरू की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सरकारी सेवा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रमुख मेंटर श्रीमती जयलक्ष्मी सेनगुप्ता हैं, जबकि डॉ. राजकुमार पाटिल, डॉ. मयंक दीक्षित एवं डॉ. संदीप हुलके लीड ट्रेनर की भूमिका में प्रशिक्षण सत्रों का संचालन कर रहे हैं।

रेडक्रास आज करेगा सम्मान

भारतीय रेडक्रास सोसायटी, मध्यप्रदेश राज्य शाखा द्वारा संचालित ब्लड बैंक में 14 जून शनिवार को प्रातः 11.00 बजे विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रक्तदाताओं एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मान एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया है। मुख्य अतिथि विजय मनोहर तिवारी, कुलगुरु, माखनलाल चर्तुवेदी पत्रकारिता विश्व विद्यालय एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी करेंगें। यह जानकारी रेडक्रास के जनरल सेक्रेटरी रामेन्द्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि राज्य की सभी जिला इकाइयों में युवक रेडक्रास के अंतर्गत स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

ऐशबाग आरओबी की होगी जांच

90 डिग्री टर्निंग से हादसों का खतरा

भोपाल (काप्र)। राजधानी के ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन आरओबी की पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इसके बाद ब्रिज को लेकर निर्णय लिए जा सकेंगे।

हालांकि, 90 डिग्री के मोड़ को लेकर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने रिपोर्ट तैयार की है। जिसमें 35-40 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से गाड़ी नहीं चलाने का सुझाव दिया गया है। इससे अधिक स्पीड में गाड़ी चली तो हादसा होने का खतरा है। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह की जानकारी में आने के बाद उन्होंने एनएचएआई के अफसरों से संपर्क किया और उनसे रिपोर्ट मांगी थी। इसके बाद एनएचएआई की टीम भी मौके पर पहुंची और रिपोर्ट तैयार की है। मंत्री सिंह ने सोशल मीडिया पर भी जानकारी दी है कि शुक्रवार को तकनीकी रिपोर्ट मिलने के बाद आगामी कार्रवाई होगी।

राजधानी में बना यह रेलवे ओवर ब्रिज इन दिनों अपनी अनोखी डिजाइन के कारण सुर्खियों में है। लोग सोशल मीडिया पर इसके मीम्स बना रहे हैं। इस ब्रिज पर 90 डिग्री के एंगल से मोड़ दिया गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि यहां वाहन कैसे टर्न लेंगे। वाहनों के या तो ब्रिज की दीवारों से या फिर आपस में टकराने का खतरा बना रहेगा। इस बारे में मैनिट के ट्रैफिक एक्सपर्ट डॉ. सिद्धार्थ रोकड़े ने कहा कि यदि जगह की कमी के कारण एंगल कम दिया जाए तो गाडियों की स्पीड पर नियंत्रण जरूरी है। यहां सिर्फ साइन बोर्ड लगाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि यहां स्पीड कम करने के तरीके अपनाने होंगे। यदि यह नहीं किए गए तो गाड़ी नीचे गिर सकती है। ब्रिज के निर्माण के समय रेलवे ने भी 90 डिग्री की इस टर्निंग पर आपत्ति की थी, लेकिन पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों ने यहां जगह कम होने का हवाला देते हुए कहा कि और कोई विकल्प नहीं है। ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के बाद इस इलाके के लिए आरओबी एक बड़ी जरूरत है। इसलिए कम जगह में भी इसे बनाना होगा। इस ब्रिज का निर्माण मई 2022 में शुरू हुआ था और इसे 18 महीने में पूरा करना था, लेकिन अब तक पूरी तरह से नहीं बन सका है।

प्रगत संगणन विकास केंद्र
CENTRE FOR DEVELOPMENT OF ADVANCED COMPUTING
Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India

प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी), भारत सरकार के अधीन एक वैज्ञानिक संस्था है। यह संस्था निम्नलिखित गैर तकनीकी (ग्रुप 'ए' एवं ग्रुप 'ए' से नीचे) तथा ग्रुप 'ए' से नीचे के तकनीकी पदों के लिए सी-डैक केंद्रों में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करती है।

हमसे जुड़ें और सपने साकार करें !

करियर के अवसर :

गैर तकनीकी ग्रुप 'ए' पद:

पद	पदों की संख्या	लेवल
संयुक्त निदेशक (वित्त)	1	लेवल - 13
वरिष्ठ अधिकारी - वित्त/ मानव संसाधन विकास/ प्रशासन/क्रय/विपणन	8	लेवल - 11
मानव संसाधन विकास अधिकारी	2	लेवल - 10

गैर तकनीकी ग्रुप 'ए' से नीचे के पद:

पद	पदों की संख्या	लेवल
कार्यकारी – प्रशासन/वित्त/विधि/ मानव संसाधन विकास/क्रय	11	लेवल - 7
वरिष्ठ सहायक	17	लेवल - 6
सहायक	20	लेवल - 5
कनिष्ठ सहायक	7	लेवल - 4
परिचारक / चालक	4	लेवल - 2

तकनीकी ग्रुप 'ए' से नीचे के पद:

पद	पदों की संख्या	लेवल
वरिष्ठ तकनीकी सहायक	9	लेवल - 7
तकनीकी सहायक	15	लेवल - 6
सहायक स्टाफ सदस्य (सपोर्ट स्टाफ) - IV	7	लेवल - 5

आयु और आरक्षण: पदों के लिए लागू आयु, आयु में छूट तथा आरक्षण से संबंधित विवरण सी-डैक की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापन में स्पष्ट रूप से उल्लेखित हैं।

आवेदन शुल्क: उपरोक्त पदों के लिए आवेदन करने हेतु ₹1000/- का गैर-वापसी योग्य आवेदन शुल्क इंटरनेट बैंकिंग/डेबिट कार्ड के माध्यम से देय है। हालाँकि, एससी(अ.जा.) / एसटी(अ.ज.जा.) / दिव्यांग / महिला उम्मीदवारों से कोई आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा।

आवेदन कैसे करें: इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी हेतु सी-डैक की वेबसाइट www.cdac.in के "Careers" अनुभाग में जायें और ऑनलाइन आवेदन करें।

आवेदन की अंतिम तिथि: १४ जुलाई २०२५, रात्रि २३:५९ बजे तक।

ADVT.No.CORP/Grp.A&BGA/04/2025 DIRECTOR (HRD)

माँ आशापुरा दरबार मे स्वयं सुरक्षा-संस्कार शिविर

भोपाल। माँ आशापुरा दरबार द्वारा पांच दिवसीय स्वयं सुरक्षा एवं संस्कार शिविर का आयोजन गीता माताजी के सानिध्य मे आयोजित किया गया है। शिविर मे कैसे अपनी सुरक्षा करे, के साथ गीता माताजी द्वारा कैसे संस्कारित होकर जीवन जिया जाये पर प्रति दिन एक घंटे का व्याख्यान दिया जा रहा है। इसके बाद प्रतिदिन अखाड़े के प्रशिक्षित दो युवाओ द्वारा डंड बैठक के साथ कैसे डन्डे से अपना बचाव करें के विषय में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गीता माताजी ने बताया कि शिविर में प्रतिदिन सीखने आने वालों की संख्या बढ़ रही है,शिविर 15जून तक चलेगा।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
माखनपुरम परिसर, मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के सामने
बिशनखेड़ी, भोपाल-462044

प्रवेश सूचना 2025-26

विश्वविद्यालय के भोपाल एवं रीवा परिसरों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में संचालित होने वाले पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रसारण पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, नवीन मीडिया, डिजिटल पत्रकारिता, फिल्म प्रोडक्शन, मीडिया शोध, मीडिया व्यवसाय प्रबंधन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, मल्टीमीडिया, ग्राफिक्स एवं एनिमेशन, वाणिज्य, ई-कॉमर्स, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, हिन्दी भाषा एवं अनुवाद तथा इंग्लिश जर्नलिज्म के स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पत्रोपाधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित हैं। **आवेदन 16 जून 2025 की मध्यरात्रि तक** किए जा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए विजिट करें	ऑनलाइन आवेदन के लिए विजिट करें
www.mcu.ac.in	https://mcrpv.mponline.gov.in/portal/

म.प्र. माध्यम/120612/2025 कुलसचिव